

अध्याय 3

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 प्रस्तावना

प्रथम अध्याय में इस अध्यापन के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व की चर्चा की गयी। दूसरे अध्याय में इस अध्ययन से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन किया गया, जिसमें हमें समस्या के संबंध में विस्तृत जानकारी मिलती है। प्रस्तुत अध्याय में शोध प्रविधि के बारे में वर्णन किया गया है।

3.2 शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया

शोध की रूपरेखा के नियोजन को शोध प्रारूप कहते हैं, जो न्यादर्श की प्रविधि पर आधारित होता है। प्रस्तुत अध्याय में शोध की प्रविधि, प्रक्रिया एवं उससे संबंधित विवरण निम्न शीर्षकों के अंतर्गत किया गया है।

- शोध अभिकल्प
- जनसंख्या
- न्यादर्श का चयन
- प्रयुक्त उपकरण
- प्रदत्तों का संग्रहण
- प्रदत्तों का विश्लेषण

इस प्रकार शोध प्रारूप के अंतर्गत इन सभी क्रियाओं में प्रविधियों को सम्मिलित किया जाता है। जिसकी सहायता से उद्देश्यों की प्राप्ति हो सके।

3.2.1 शोध अभिकल्प

प्रस्तुत शोध प्रबंध में प्राचार्य के नेतृत्व व्यवहार का अध्यापन किया गया है। इस शोध प्रबंध के लिए सर्वेक्षण विधि को अपनाया गया है। प्रस्तुत शोध में (रेटिंग स्केल) का प्रयोग किया गया है।

3.2.2 जनसंख्या

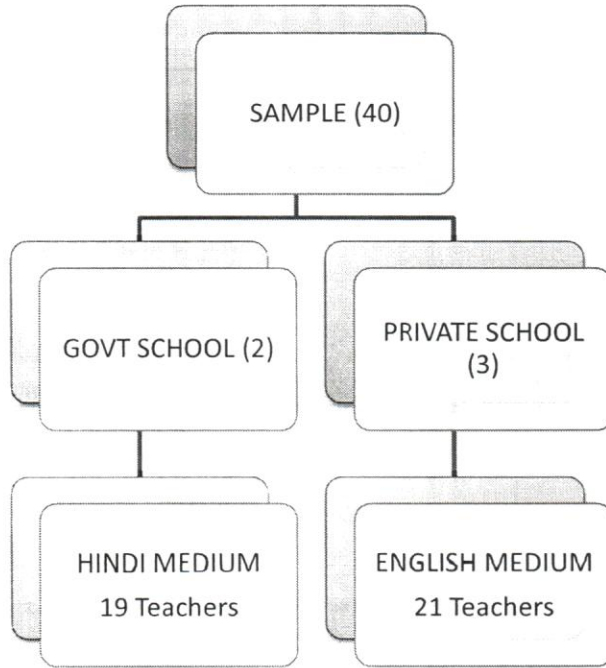
इकाइयों के समूह को जिसके लिए चर का मान निकालना अभीष्ट है, जनसंख्या या समष्टि कहते हैं।

भोपाल जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालय में सन 2019-2020 में कार्यरत प्राचार्य एवं शिक्षक इस शोध की जनसंख्या हैं।

3.2.3 न्यादर्श का चयन

न्यादर्श से तात्पर्य पूरे समूहों में से चुनी गयी कुछ इकाइयों का समूह हैं।

न्यादर्श के चयन करने हेतु शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले में संचालित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की सूची बनाई गयी जिसमे 2 शासकीय विद्यालय एवं 3 निजी विद्यालय का चयन किया गया। चयनित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 40 शिक्षकों का चयन किया गया जिसमें महिला एवं पुरुष शामिल हैं।



3.2.4 प्रयुक्त उपकरण

शोधकर्ता ने परीक्षण भाषा की विशेषताओं को ध्यान में रखकर अपने शोध हेतु उपयुक्त प्रविधियों या उपकरणों का चुनाव करता है।

जिससे शोधकर्ता द्वारा लिए गए परिणाम में उपयोगी सिद्ध हो सकें।

प्रस्तुत अध्यापन के आँकड़ों के संग्रहण हेतु उपकरण -

• स्वनिर्मित (रेटिंग स्केल) शिक्षकों के लिए

इस रेटिंग स्केल में कुल 30 प्रश्न हैं। शिक्षकों के लिए निर्मित रेटिंग स्केल 22 प्रश्न सकारात्मक एवं 8 प्रश्न नकारात्मक दिये गए हैं। निर्धारण मापनी (रेटिंग स्केल) को अनुमति तथा निर्णय के मापन के लिए प्रयुक्त किया जाता है। इस मापनी का निर्माण किमी परिस्थिति, संस्था, वस्तु तथा व्यक्ति के संबंध में ज्ञात किया जाता है।

इसका उपयोग गुणों के मापन के लिए किया जाता है। इस मापनी में तीन, पाँच तथा सात बिंदुओं में वर्गीकरण किया जाता है।

प्रस्तुत शोध में पाँच बिन्दुओं की मापनी (5 point rating scale) का प्रयोग किया गया। जिसका स्वरूप इस प्रकार है-

पूर्णतःसहमत सहमत अनिश्चित असहमत पूर्णतःअसहमत
5 4 3 2 1

सकारात्मक प्रश्नों के मूल्यांकन के लिए इस प्रकार का अंकन किया गया है जबकि नकारात्मक प्रश्नों के लिए इसके विपरीत अंकन किया गया जो इस प्रकार है-

पूर्णतःसहमत सहमत अनिश्चित असहमत पूर्णतःअसहमत
1 2 3 4 5

नेतृत्व व्यवहार के प्रति शिक्षकों द्वारा अभिप्राय का मापन व मूल्यांकन करने के लिए निर्धारण मापनी प्रविधि का प्रयोग किया गया।

तालिका 3.1
आयामों का विवरण

क्रमांक	क्षेत्र		श्रेणी क्रमांक के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	कुल प्रश्न
1.	समुदाय के साथ नेतृत्व व्यवहार	सकारात्मक	7, 9, 24	3	5
		नकारात्मक	6, 8	2	
2.	अनुदेशात्मक	सकारात्मक	20, 25	2	5
		नकारात्मक	19, 21, 23	3	
3.	नियंत्रण	सकारात्मक	1, 2, 15, 27, 30	5	5

		नकारात्मक			
4.	शिक्षको के साथ नेतृत्व व्यवहार	सकारात्मक	5, 23, 26, 29	4	6
		नकारात्मक	3, 4	2	
5.	विद्यार्थियों के साथ नेतृत्व व्यवहार	सकारात्मक	10, 11, 16, 18	4	5
		नकारात्मक	17	1	
6.	शैक्षणिक उपलब्धि	सकारात्मक	12, 13, 14, 2	4	4
		नकारात्मक	2		
कुल प्रश्नों की संख्या					30

3.2.5 प्रदत्तों का संकलन

प्रदत्तों के संग्रहण हेतु शोधकर्ता ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से अनुमति पत्र प्राप्त किया। इसके बाद शोधकर्ता ने चयनित विद्यालयों में जाकर प्राचार्य से अपने शोध के विषय में निवेदन करते हुए सम्पूर्ण जानकारी से अवगत कराया। इसके पाश्चात्य स्वनिर्मित (रेटिंग स्केल) निर्धारण मापनी के माध्यम से शिक्षकों से प्रदत्त संग्रहण किया गया। इस प्रकार प्रदत्तों के संग्रहण में 10-12 दिनों का समय लग गया। कोविड-19 महामारी की वजह से पूर्णतः आँकड़े प्राप्त नहीं हो पाये। प्रदत्तों के संग्रहण का विवरण निम्न प्रकार है।

तालिका क्रमांक 3.2

विद्यालयों एवं शिक्षकों का विवरण

क्र.	विद्यालय का नाम	विद्यालय का प्रकार	माध्यम	शिक्षको की संख्या
1	कोपल हायर सेकेंडरी स्कूल	निजी	अंग्रेजी	10
2	शासकीय माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ी खुर्द	शासकीय	हिन्दी	9
3	आदर्श ज्ञान पुष्पा स्कूल	निजी	अंग्रेजी	8
4	नवीन कन्या माध्यमिक विद्यालय	शासकीय	हिन्दी	10
5	बाल भवन बरखेड़ी खुर्द	निजी	अंग्रेजी	3

कुल				40
-----	--	--	--	----

लघु शोधप्रबंध में शोधकर्ता ने शोध से संबंधित आँकड़ों का संकलन करने के लिए मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के विद्यालयों का चुनाव किया। प्रदत्त संकलन के लिए अध्यापकों को जानकारी दी गयी तथा उपकरण के निर्देशों के बारे में सूचना प्रदान की गयी। इस प्रकार प्रदत्तों का संग्रहण किया गया।

3.2.6 प्रदत्त संकलन में उत्पन्न हुई कठिनाइयाँ

प्रदत्त संकलन में प्रथम कठिनाई अनुमति को लेकर आई। शहरी एवं निजी विद्यालय में अनुमति पत्र देने के बाद भी (समस्या कथन) को समझाने में समय लग गया। उस समय विद्यालय में बोर्ड की परीक्षा शुरू हो गयी थी जिससे इस कार्य को कुछ दिनों के लिए रोका गया ।

कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए विद्यालय बंद होने लगे थे।

3.2.7 प्रदत्तों का विश्लेषण

प्राप्त प्रदत्त तब तक अर्थपूर्ण नहीं होते हैं जब तक की उनको कुछ सांख्यिकीय विश्लेषण नहीं दिया जाता है , प्रदत्तों के विश्लेषण का अर्थ प्राप्त प्रदत्तों को अर्थपूर्ण बनाना है। अथवा उपयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिणाम प्राप्त करना है। प्रदत्तों का विश्लेषण करने में शोधकर्ता ने शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु साधारण सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रयोग किया ।